आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–28 दिसंबर 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का आज राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा अंतिम संस्कार, नई दिल्ली के कांग्रेस मुख्यालय से निगम बोध घाट तक निकलेगी अंतिम यात्रा।
- भारत सरकार के आकांक्षात्मक विकास खंड कार्यक्रम में प्रदेश ने किया शानदार प्रदर्शन, नीति आयोग ने भी निरंतर प्रगति और प्रदर्शन को सराहा।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीबी मुक्त भारत के लिए कोविड प्रबंधन मॉडल अपनाने का दिया निर्देश, कहा–क्षय उन्मूलन अभियान को आंदोलन बनाने की जरूरत।
- प्रदेश के कई जिलों में आज भी गरज चमक के साथ वर्षा का अनुमान है। कल और परसों घने कोहरे की चेतावनी।

****

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार आज किया जाएगा। उनकी अंतिम यात्रा सुबह साढे नौ बजे नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय से शुरू होकर निगम बोध घाट तक जाएगी। वहां सुबह ग्यारह बजकर पैंतालिस मिनट पर डॉ. मनमोहन सिंह का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया जाएगा।

सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर एक जनवरी तक सात दिनों का राजकीय शोक घोषित किया है। इस शोक अवधि के दौरान पूरे देश में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। विदेशों में स्थित सभी भारतीय मिशन और उच्चायोगों में भी राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। इस बीच, केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से राष्ट्र ने एक प्रख्यात राजनेता, प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और एक प्रतिष्ठित नेता खो दिया है। मंत्रिमण्डल ने डॉक्टर मनमोहन सिंह की स्मृति में एक शोक प्रस्ताव भी पारित किया और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रस्ताव में कहा गया कि डॉ० मनमोहन सिंह, राष्ट्रीय जीवन पर अपनी छाप छोड़ी है। इसमें कहा गया कि डॉ० मनमोहन सिंह 1991 से 1996 के बीच भारत के वित्तमंत्री रहे और आर्थिक सुधारों की एक व्यापक नीति की शुरूआत करने में उनकी भूमिका सर्वविदित है। सुपर्णा सौकिया के साथ आनंद कुमार आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल नई दिल्ली में दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उनके आवास पर श्रद्धांजलि अर्पित की।राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि डॉ. सिंह उन असाधारण राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन की दुनिया में समान रूप से सहजता से काम किया। उपराष्ट्रपति ने अपने संदेश में पूर्व प्रधानमंत्री को एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बताया, जिन्होंने भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल दिया।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जे पी नडडा, राजनाथ सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री के निवास पर जाकर उन्हें पुष्पाजंलि दी।

एक वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से पूरा देश दुखी है। उनका जीवन भावी पीढ़ियों के लिए एक उदाहरण है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन ने हम सभी के हृदय को गहरी पीडा पहुंचाई है। उनका जाना एक राष्ट्र के रूप में भी हमारे लिए बहुत बडी क्षति है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में और रिफार्म्स के प्रति समर्पित लीडर के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जायेगा।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी डॉ. सिंह के साथ अपनी मधुर यादों का स्मरण किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने उनके निधन को भारतीय राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। श्री सिंह के निधन पर केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार ने सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। इस दौरान राष्ट्र ध्वज आधे झुके रहेंगे और कोई भी सरकारी कार्यक्रम आयोजित नहीं होंगे।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने अर्थव्यवस्था के स्तर पर भारत को विश्व पटल पर पहचान दिलाई।

वर्ष दो हजार चार से दो हजार चौदह तक भारत के तेरहवें प्रधानमंत्री रहे डॉक्टर मनमोहन सिंह ने गुरूवार को बानवे वर्ष की उम्र में नई दिल्ली में अन्तिम सांस ली। वे लम्बे समय से बीमारियोंसे जूझ रहे थे।

****

नीति आयोग के आकांक्षात्मक विकास खंड कार्यक्रम में प्रदेश के बयालिस जिलों के अड़सठ विकास खंडों का चयन किया गया है। आयोग द्वारा जारी ओवरऑल रैंकिंग में कौशाम्बी विकास खंड को जून दो हजार तेईस में दूसरा स्थान, जबकि श्रावस्ती जिले के जमुनहा विकास खंड को मार्च दो हजार चौबीस में पहला स्थान हासिल हुआ है। जोनवार रैंकिंग में भी प्रदेश के अलग अलग विकास खंडों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। आयोग ने इन विकास खंडों की प्रगति और प्रदर्शन की सराहना की है। ओवरऑल रैंकिंग में प्रथम स्थान पाने पर तीन करोड़ और दूसरा स्थान पाने पर दो करोड़ रुपये की प्रोत्साहन धनराशि देने का प्रावधान है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोविड प्रबंधन को आधार बना कर ही राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन अभियान को आगे बढ़ाया जाए। टीबी मुक्त भारत के संबंध में उन्होंने कल शासन के वरिष्ठ अधिकारियों, सभी जिलाधिकारियों और जिलों के अन्य उच्चाधिकारियों के साथ वर्चुअल माध्यम से समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा जनभागीदारी के माध्यम से क्षय उन्मूलन अभियान को आंदोलन बनाना होगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि आशा, आंगनबाड़ी और एएनएम के माध्यम से घर घर टीबी मरीजों की खोज के लिए स्क्रीनिंग कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने कल ही अपने सरकारी आवास पर राजस्व विभाग के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्य शुरू होने के बाद उसके डिजाइन में किसी भी प्रकार का बदलाव करने के लिए शासन की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। उन्होंने गोरखपुर के कलक्ट्रेट भवन और लखनऊ के राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भवन का निर्माण शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया।

****

महाकुम्भ में आनेवाले श्रद्धालुओं को घाट और आश्रमों तक पहुंचने में कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए मेला प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। पेश है एक रिपोर्ट–

महाकुंभ मेला क्षेत्र में अब तक कुल मिलाकर 400 से अधिक साइनेजेस लगा दिये गये हैं, जबकि 31 दिसंबर तक सभी 800 साइनेजेस लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। पीडब्ल्यूडी विभाग इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। प्रतिदिन 100 साइनेजेसकी स्थापना का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है।पीडब्ल्यूडी ने विभिन्न भाषाओं में यहां साइनेजेस स्थापित किए हैं। इसमें हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं के साथ ही अन्य राज्यों की भाषाओं को भी प्रमुखता दी गई है। प्रवीण मश्र, आकाशवाणी समाचार, प्रयागराज

****

मकर संक्रांति पर गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में लगने वाले प्रसिद्ध खिचड़ी मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। पेश है हमारे प्रतिनिधि की एक रिपोर्ट–

गोरखनाथ मंदिर में मकर संक्राति महापर्व को लेकर एक महीने तक लगने वाले खिचड़ी मेले की तैयारी जोरो से चल रही है। मनोरंजन के साधन सहित विभिन्न आइटम तेजी से लगाये जा रहे है। कुछ ही दिन पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेले की तैयारी की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये थे। जिससे श्रद्धालुओं को किसी की प्रकार की असुविधा न होने पाये। मेला एक जनवरी को ड्राइगन के साथ शुरू कर दिया जाएगा। आकाशवाणी समाचार के लिए गिरीश नारायण चौबे गोरखपुर।

मेले में सरकारी स्टॉल भी एक जनवरी के बाद लगने शुरू हो जाएंगे।

****

प्रदेश के कई जिलों में आज भी गरज चमक के साथ हल्की से लेकर मध्यम वर्षा होने की संभावना है । मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी दैनिक मौसम पूर्वानुमान बुलेटिन के अनुसार कल से राज्य में मौसम शुष्क रहेगा। साथ ही अगले दो दिनों तक अलग अलग स्थानों पर घना कोहरा छाये रहने की चेतावनी भी जारी की गई है। इकतीस दिसम्बर से दो जनवरी तक देर रात और सुबह के समय हल्के से लेकर मध्यम कोहरे की संभावना जताई गई है। इस बीच, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बागपत समेत कई जिलों में पिछले चौबीस घंटों के भीतर हुई वर्षा और ठंडी हवा चलने से ठंड बढ़ गई है। आज चित्रकूट, बांदा, कौशाम्बी और फतेहपुर में मध्यम वर्षा की संभावना है। इन जिलों के साथ ही अमेठी, कानपुर, सुल्तानपुर, अयोध्या समेत चालीस से अधिक जिलों में भी तेज हवा और गरज चमक के साथ वर्षा की संभावना जताई गई है। उधर, वर्षा और ठंड से कल प्रभावित हुए कई जिलों में जिला प्रशासन ने कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है।

****